PLACID परीक्षण

प्रलिम्सि के लिये

यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

मेन्स के लिये

COVID-19 परीक्षण

चर्चा में क्यों:

हाल ही में PLACID परीक्षण, एक बहुस्तरीय यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण **(Randomized Controlled Trial)** से पता चला है कि **COVID-19** रोगियों के उपचार के लिये कान्वलेसंट प्लाज़्मा (Convalescent Plasma- CP) का उपयोग करने पर कोई सकारात्मक प्रभाव नहीं दिखा और रोगियों के स्वास्थ्य में सुधार नहीं हुआ।

प्रमुख बिंदु

- यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (RCT) एक ऐसा परीक्षण है जिसमें विषयों को एक या दो समूहों में यादृच्छिक रूप से बाँटा जाता है: एक **(प्रायोगिक समूह)** वह समूह जिस पर परीक्षण किया जा रहा है, और दूसरा **(तुलना समूह या नियंत्रण)** वह जो दूसरे वैकल्पिक उपचार (पारंपरिक) प्राप्त कर रहा है।
- **कान्वलेसंट प्लाज़्मा थेरेपी (Convalescent Plasma Therapy-CPT):**
  - संक्रमण से मुक्त होने वाले रोगियों के रक्त से निकाला गया कान्वलेसंट प्लाज़्मा, संक्रमण के खिलाफ **एंटीबॉडी का एक स्रोत** है।
  - **इस थेरेपी में** उन लोगों से रक्त लिया जाता है जो बीमारी से उबर चुके हैं।
  - **COVID-19 से ठीक हुए लोगों द्वारा दान** किये गए रक्त में वायरस का एंटीबॉडी होता है। दान किये गए **रक्त को रक्त कोशिकाओं को हटाने के लिये संसाधित किया जाता है, जो तरल (प्लाज़्मा) और एंटीबॉडी** को स्थानांतरित कर देता है। ये COVID-19 के मरीज़ों को वायरस से लड़ने की उनकी क्षमता को बढ़ाने के लिये दिया जा सकता है।
  - COVID -19 के **प्रलेखित मामले (Documented Case)** में नेगेटिव आने के बाद और **पिछले 28 दिनों तक स्वस्थ** रहने के बाद ही कोई प्लाज़्मा दान कर सकता है।
- **PLACID परीक्षण:**
  - इस परीक्षण का आयोजन भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद **(Indian Council of Medical Research-ICMR)** द्वारा किया गया था और **इसका उद्देश्य COVID-19 के उपचार के लिये CPT की प्रभावशीलता की जाँच करना था।**
  - यह दुनिया का **पहला और सबसे बड़ा यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण (First and largest randomised Control Trial)** है।
- **जाँच - परिणाम:**
  - परीक्षण के परिणामों से पता चलता है कि **कान्वलेसंट प्लाज़्मा के माध्यम से इलाज वाले रोगियों में** सामान्य देखभाल वाले COVID-19 रोगियों की तुलना में 28 दिनों की **मृत्यु दर में कोई अंतर नहीं** था।
  - जबकि **कान्वलेसंट प्लाज़्मा के उपयोग से मध्यम रूप से प्रभावित COVID-19 के रोगियों में साँस और थकान** की समस्या में सुधार हुआ।
- **निष्कर्षों का प्रभाव:**
  - ICMR अब राष्ट्रीय दिशा-निर्देशों से **CPT के विकल्प को हटाने** पर विचार कर रहा है।
    - भारत में COVID-19 के इलाज के रूप में CPT ने सोशल मीडिया पर दानदाताओं के लिये कॉल और **ब्लैक मार्केट में प्लाज़्मा** की बिक्री जैसी संदिग्ध प्रथाओं को जन्म दिया है।
    - यद्यपि नियमों के अनुसार, **कान्वलेसंट प्लाज़्मा** संक्रमित होने पर उपचार का एक सुरक्षित रूप है, परंतु इसमें **संसाधन-गहन प्रक्रियाएँ** शामिल हैं, जैसे- **प्लास्मफेरेसिस (रक्त कोशिकाओं से प्लाज़्मा को अलग करना), प्लाज़्मा भंडारण और एंटीबॉडी को निष्क्रिय** करने की माप करने वाले संस्थानों की एक सीमित संख्या है।
    - हालाँकि विशेषज्ञों ने माना है कि ये **दिशा-निर्देश अनिवार्य रूप से बाध्यकारी नहीं** हैं और यह **कान्वलेसंट प्लाज़्मा थेरेपी को खारिज करने के लिये जल्दबाजी** होगी।

आगे का रास्ता

- COVID-19 एक नया वायरस है और वैश्विक समुदाय अभी भी सबसे अच्छे चिकित्सीय विकल्पों की तलाश में है, इसलिये एक दृढ़ कदम उठाना जल्दबाज़ी होगी।
    - उदाहरण के लिये रेमेडिसिविर (Remdesivir) को यूएसए ड्रग रेगुलेटर द्वारा पसंद की दवा (Drug of Choice) के रूप में मंज़ूरी दी गई है, जबकि **विश्व स्वास्थ्य संगठन** के सॉलिडैरिटी ट्रायल (Solidarity Trial) में पाया गया है कि 28 दिन के दौरान इसका COVID-19 की मृत्यु दर पर कम या कोई प्रभाव नहीं पड़ा।
- कुछ उपचारों को सहानुभूति के आधार पर जारी रखा जा सकता है और एक या दो परीक्षणों के परिणामों से संपूर्ण उपचार या चिकित्सा को समाप्त नहीं करना चाहिये।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/placid-trials